दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-५६ वा | बुधवार २६ नवंबर २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

देश की आर्थिक राजधानी में 11 लाख डुप्लिकेट मतदाता

महानगरपालिका ने खुद किया कबूलनामा; विपक्षने राज्य निर्वाचन आयोग पर साधा निशाना

जमीर काझी

मुंबई : राज्य में स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावी प्रचार ने जोर पकड़ लिया है, ठीक उसी समय देश की आर्थिक राजधानी से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। मुंबई शहर और उपनगर जिले में कुल ११ लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम डुप्लिकेट होने की बात खुद मुंबई महानगरपालिका ने मंगलवार को सार्वजनिक की है। ये डुप्लिकेट नाम पालिका के २२७ वार्डों में बंटे हुए हैं। इस खुलासे के बाद विपक्ष ने राज्य निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला बोला है और डुप्लिकेट नामों को तुरंत हटाने की मांग की है।

मुंबई महानगरपालिका पर कब्जा करने के लिए सत्तारूढ़ महायुती के दोनों घटक भाजपा और शिवसेना पूरी ताकत से मैदान में उतर चुके हैं। दूसरी ओर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उद्धव बाला साहब ठाकरे) और मनसे ने साथ मिलकर उन्हें टक्कर देने का ऐलान किया है, जबकि कांग्रेस मुंबई में अकेले मैदान में है। इसी पृष्ठभूमि में मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए ड्राफ्ट मतदाता सूची २० नवंबर को जारी की गई। इसमें ११ लाख से ज्यादा डुप्लिकेट मतदाता होने का पता चला है। विपक्ष का आरोप है कि कई वार्डों में मतदाता सूची में भारी गड़बड़ी की गई है। ठाकरे गुट, मनसे और कांग्रेस नेताओं ने इसकी शिकायत निर्वाचन आयोग से की है। अब विपक्षी दलों के आरोपों के बाद मुंबई महानगरपालिका ने आधिकारिक तौर पर डुप्लिकेट मतदाताओं की संख्या जारी कर दी है, जिसमें कुल ११ लाख से अधिक डुप्लिकेट नाम सामने आए हैं।

मुंबई महानगरपालिका ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उसके मुताबिक कुल ११,०१,५०५ डुप्लिकेट नाम हैं। सबसे ज्यादा डुप्लिकेट मतदाता 'ड' वार्ड में हैं, जहाँ ६९,५०० डुप्लिकेट नाम दर्ज हुए हैं। वहीं सबसे कम डुप्लिकेट मतदाता 'इ' वार्ड में हैं, जहाँ केवल ८,३९८ डुप्लिकेट नाम हैं।

विपक्ष ने पहले ही ड्राफ्ट मतदाता सूची पर कई सवाल उठाए थे। अब वार्ड-वार संभावित डुप्लिकेट मतदाताओं की संख्या भी सामने आ गई है। निर्वाचन आयोग ने पहले मतदाता सूची जारी करने की तारीख ६ नवंबर तय की थी, लेकिन उसे टालकर २० नवंबर को जारी किया गया और आपत्तियों के लिए महज ८ दिन का समय दिया गया है। इस फैसले पर भी विपक्ष ने तीव्र आलोचना की है।

गेवराई की जनता ही यहाँ की असली मालकिन है, आपके विश्वास पर ही शहर का और कायापलट करेंगे-बाळराजे पवार

बाळराजे की कॉर्नर मीटिंग को मिला विशाल सभा का स्वरूप

काझी अमान / गेवराई

पिछले बीस साल से मैं गेवराई शहर की चिंता में लड़ता आया हूँ। आज भी लड़ रहा हूँ, क्योंकि आप लोगों ने मेरे पैरों में ताकत दी है। सपना देखना है तो उसके लिए आहुति देनी पड़ती है। जीवन की आहुति दिए बिना गाँव खड़ा नहीं होता। गेवराई की जनता ही यहाँ की असली मालकिन है और जनता के विश्वास से ही शहर का और बड़ा कायापलट करेंगे, ऐसा प्रतिपादन भाजपा नेता बाळराजे पवार ने ▶▶पान ४ पे

महाराष्ट्र में स्थानीय स्वराज संस्थाओं के आरक्षण विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में महत्वपूर्ण सुनवाई, २८ दिसंबर को फिर होगी कार्यवाही।

दिल्ली/महाराष्ट्र (एजेंसी)

महाराष्ट्र में स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनावों में आरक्षण की सीमा ५० प्रतिशत से अधिक हो जाने से उत्पन्न हुआ बड़ा विवाद अब सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँच गया है। राज्य के १५९ क्षेत्रों में आरक्षण सीमा का उल्लंघन होने की जानकारी सामने आई है, जिसके विरोध में याचिकाएँ दायर की गई थीं।

पिछले कई वर्षों से ये चुनाव विभिन्न कानूनी कारणों से स्थगित पड़े थे। हाल ही में चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का मार्ग साफ होता दिखाई दे रहा था, परंतु आरक्षण सीमा पार होने पर पुनः मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुँचा।

सुप्रीम कोर्ट में आज क्या हुआ?

आज हुई सुनवाई में केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार की ओर से पक्ष रखा गया।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत के समक्ष केंद्र की दलीलें प्रस्तुत कीं।

सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत की अध्यक्षता वाले पीठ ने कुछ महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ कीं और अगली सुनवाई की तिथि घोषित की।

सर्वोच्च न्यायालय की महत्वपूर्ण टिप्पणी

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने कहा-

जनसंख्या के अनुसार प्रतिनिधित्व कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है, इस विषय पर हम निश्चित रूप से अपना ▶▶पान ४ पे

बीड नगरपरिषद चुनाव: भाजपाने तेज किया प्रचार, डॉ. ज्योती घोमरे के नेतृत्व में कोने-कोने तक जनसंपर्क

बीड (संवाददाता)

दिनांक २५ नवंबर : बीड नगरपरिषद चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने प्रचार की रफ्तार तेज कर दी है। शहर के विभिन्न प्रभागों में कोर्नर मीटिंग्स, मंदिर दर्शन और जनसंपर्क अभियान जोर-शोर से चल रहा है। नगराध्यक्ष पद की उम्मीदवार डॉ. ज्योती रवींद्र घोमरे (घुंबरे) सहित सभी भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार में पार्टी के युवा नेता डॉ. योगेश क्षीरसागर, डॉ. सारिका क्षीरसागर के साथ भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरी सक्रियता से जुटे हैं। नागरिक भी भारी संख्या में प्रचार में शामिल हो रहे हैं।

शाहू नगर स्थित श्री हनुमान मंदिर परिसर में डॉ. ज्योती घोमरे (घुंबरे), प्रभाग क्र. ९ की उम्मीदवार शीतल दत्ता गायकवाड और जयश्री मच्छिंद्र कुटे के प्रचार के लिए आयोजित कोर्नर मीटिंग में प्रभाग क्र. ८ के उम्मीदवार संध्या ताई राजपूत, राहुल गुरखुडे सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। इसके बाद शहर के श्री कृष्ण मंदिर और खडकपुरा स्थित श्री खंडोबा मंदिर में डॉ. घोमरे (घुंबरे) व पार्टी पदाधिकारियों ने श्रद्धापूर्वक आरती की। इस कार्यक्रम में प्रभाग क्र. २ के उम्मीदवार शुभम दिलीप धूत, सावित्री नितीन साखरे, प्रभाग क्र. १९ के परसराम जाधव, मुक्ता बाबूलाल ढोरमारे, प्रभाग क्र. ५ की मीना रणजीतसिंह चौहान, प्रकाश कानगावकर सहित भाजपा जिल्हाध्यक्ष शंकर देशमुख, शांतिनाथ डोरले और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

इसी बीच प्रभाग क्र. ३ के रामतीर्थ और मंत्री कंस्ट्रक्शन ▶▶पान ४ पे

ना. पंकजाताई मुंडे की सभाने धारूर को किया 'कमलमय'

'निर्मल' प्रशासन के लिए भाजपा को दें साथ - ना. पंकजाताई मुंडे ने धारूर के विकास का रखा विज़न सामने

धारूर । दिनांक २५

सुशासन और पारदर्शी प्रशासन यह भारतीय जनता पार्टी का मूलमंत्र है। समाज के सभी जाति-धर्म के विकास को प्राथमिकता देते हुए धारूर में 'निर्मल' प्रशासन के लिए भारतीय जनता पार्टी को साथ दें। आपका विश्वास सार्थक करते हुए धारूर को प्रगति पथ पर ले जाएंगे। मैं राज्य की मंत्री के रूप में नहीं बल्कि धारूर की नगरसेविका बनकर खुद शहर के विकास पर ध्यान दूंगी, ऐसा विश्वास राज्य की पर्यावरण एवं

पशुसंवर्धन मंत्री ना. पंकजाताई मुंडे ने आज मतदाताओं से बातचीत करते हुए दिया। आज की इस सभा से शहर पूरी तरह कमलमय हो गया, ऐसा दृश्य दिखाई दिया।

धारूर नगर परिषद चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नगराध्यक्ष पद के उम्मीदवार रामचंद्र अंबादासराव निर्मल तथा नगरसेवक पद के उम्मीदवारों के प्रचार के लिए आयोजित जनसभा में ना. पंकजाताई मुंडे बोल रही थीं। पूर्व नगराध्यक्ष डॉ. स्वरूपसिंह हजारी, माधवराव निर्मल, उदयसिंह दिखखत, राम कुलकर्णी, संजय आंधळे, संदीप काचुगंडे सहित सभी उम्मीदवार और पदाधिकारी मंच पर उपस्थित थे।

यहाँ के सुजान नागरिकों ने हमेशा हमारा साथ दिया है। नगर परिषद के माध्यम से हमने यहाँ ईमानदारी से काम किया है। पूर्व नगराध्यक्ष डॉ. हजारी ने पारदर्शी और स्वच्छ प्रशासन देकर शहर की ख्याति बढ़ाई। उनके किसी भी फैसले में कभी हस्तक्षेप नहीं किया। जनता के हर काम के लिए हमने भरपूर मदद की है। धारूर के इतिहास में निर्मल परिवार का बहुत बड़ा योगदान ▶▶पान ४ पे

वार्ड नंबर पांच मे कामयाब प्रचार सभा

बीड (रिपोर्टर: शेरिक़ खान): राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) पार्टी और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) गट के संयुक्त महाआघाडी की ओर से बीड नगरपरिषद चुनाव-२०२५ हेतु आयोजित प्रचार सभा में उम्मीदवारों ने आपली शक्ति का प्रदर्शन किया।

नगराध्यक्ष पद के लिए आघाडी की अधिकृत उम्मीदवार सौ. स्मिता विष्णु वाघमारे, प्रभाग क्रमांक ०५ (अ) से नगरसेवक पद के अधिकृत उम्मीदवार सम्राटसिंह भगतसिंह चौहान, तथा प्रभाग क्रमांक ०५ (ब) से नगरसेवक पद की अधिकृत उम्मीदवार कु. वैष्णवी रामेश्वर पवार-इन तीनों के समर्थन में एक कॉर्नर सभा का आयोजन किया गया। विधायक संदीप क्षीरसागर ने सभी उम्मीदवारों को कामयाब बनाने कि अपील कि।

सभा में उपस्थित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने नागरिकों से अपील की कि वे गठबंधन के उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाएं।

उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि बीड शहर के विकास, सुशासन, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं को गतिमान करने के लिए महाआघाडी के उमेदवार ही सक्षम और प्रतिबद्ध हैं।

कुंभमेले के लिए पैसे हैं, लेकिन किसानों के लिए नहीं-विजय वडेट्टीवार

जमीर काझी, मुंबई

राज्य की नगरपालिका और नगराध्यक्ष पद की चुनावी सरगर्मी अपने चरम पर है। इसी बीच विपक्ष का आरोप है कि सत्ताधारी नेता मतदाताओं को धमका रहे हैं। इस मुद्दे पर मंगलवार को कांग्रेस के विधानसभा दल नेता विजय वडेट्टीवार ने सत्ताधारियों पर जोरदार हमला बोला।

उन्होंने कहा, कोई कह रहा है कि खजाने की चाबी मेरे पास है, तो कोई अप्रत्यक्ष रूप से मतदाताओं को धमकी दे रहा है। क्या राज्य का खजाना इनके बाप की जागीर है?

नागपुर में पत्रकारों से बातचीत में वडेट्टीवार ने सत्ताधारियों की तीखी आलोचना करते हुए कहा, जनहित का सोचना चाहिए, लेकिन वोट के लिए खुलेआम धमकियां दी जा रही हैं। जनता को गुलाम समझा जा रहा है। चुनाव पारदर्शी और स्वच्छ वातावरण में होने चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, महसूल मंत्री के आसपास महसूल डुबोने वाले लोग भरे पड़े हैं। यह बिल्कुल सच है। जरूरत पड़ी तो हम नाम भी सार्वजनिक करेंगे। महसूल मंत्री को ऐसे लोगों को अपने साथ नहीं रखना चाहिए। महायुती में अंदरूनी कलह चल रही है। तीनों के मुंह तीन दिशाओं में हैं, जनहित से इनका कुछ लेना-देना नहीं। राजनीति को गंदा करने का काम चल रहा है। राज्य में एक-दूसरे को खा जाने की होड़ मची है।

कुंभमेले पर सैकड़ों करोड़, किसानों को वायु पर छोड़ा

वडेट्टीवार ने तीखा हमला बोलते हुए कहा, कुंभमेले के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं, लेकिन संकट में फंसे हजारों किसानों को हवा में छोड़ दिया गया है। किसानों ▶▶पान ४ पे

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

जयदत्त क्षीरसागर की मौजूदगी से पेठ बीड की कॉर्नर मीटिंग में भारी उत्साह

बीड़ (प्रतिनिधि)। दिनांक २४ नवंबर शहर के पेठ बीड इलाके में व्यंकटेश मंगल कार्यालय में सोमवार (२४ नवंबर) शाम को आयोजित विशाल कॉर्नर मीटिंग पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर की उपस्थिति से और भी भव्य हो गई। कार्यकर्ताओं और नागरिकों के जोश से भरी इस सभा में जयदत्त क्षीरसागर ने भारतीय जनता पार्टी की नगराध्यक्षा पद की उम्मीदवार डॉ. ज्योती रवींद्र घोमरे (घुंबरे) तथा सभी पार्षद पद के उम्मीदवारों को भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की।

बोलते हुए पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने कहा, सत्ता हो या न हो, हमने बीड में विकास कार्य कभी नहीं रुके। विकास के लिए सक्षम और योग्य नेतृत्व चाहिए। इसलिए नगराध्यक्षा पद के लिए डॉ. ज्योती घुंबरे को उम्मीदवारी दी गई है। भाजपा उम्मीदवारों के माध्यम से यह विकास सुनियोजित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ेगा। पेठ बीड की जनता ने हमें हमेशा निरंतर समर्थन दिया है। जिन सभी उम्मीदवारों को हमने टिकट दिया है, वे पूरी तरह सक्षम हैं और जनता की मूलभूत समस्याओं का निश्चित रूप से समाधान करेंगे।

इस मौके पर प्रभाग क्र. ३ के उम्मीदवार अमृत सारडा, कु. अश्विनी गोरख मोमीन; प्रभाग क्र. ४ के प्रेम चांदणे, सौ. मीना अशोक जाधव; प्रभाग क्र. ५ की श्रीमती मीना रणजितसिंह चौहान, प्रकाश कानगावकर; तथा प्रभाग क्र. १६ के परसराम जाधव व सौ. मुक्ता बाबूलाल ढोरमारे उपस्थित थे। साथ ही इलाके के भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे तथा भाजपा उम्मीदवारों को ज़ोरदार समर्थन दिया।

जयदत्त अण्णा क्षीरसागर का आशीर्वाद हमारे पीछे है। हम उसी समाजकारण और राजकारण के रास्ते पर चल रहे हैं जो उन्होंने दिखाया है। आने वाले समय में बीड नगर परिषद के माध्यम से विकास का सारा पिछड़ापन दूर किया जाएगा। इसके लिए भाजपा के सभी उम्मीदवारों को विजयी बनाएं। आपके हर सवाल का समाधान करने के लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं – यह आश्वासन डॉ. योगेश क्षीरसागर ने दिया।

जयदत्त अण्णा की वजह से प्रचार को हाथी का बल मिला : डॉ. ज्योती घुंबरे

पूर्व मंत्री जयदत्त अण्णा क्षीरसागर के समर्थन से हमारे प्रचार को हाथी का बल मिल गया है। भाजपा विकास का स्पष्ट विज़न लेकर चुनाव मैदान में है। बीड शहर के सर्वांगीण विकास के लिए मुझे और भाजपा के सभी पार्षद उम्मीदवारों को भारी बहुमत से विजयी बनाएं – यह अपील नगराध्यक्षा पद की उम्मीदवार डॉ. ज्योती घुंबरे ने की।

चुनावी आरोप-प्रत्यारोपों पर प्रेमलता पारवे की कड़ी प्रतिक्रिया

बीड (प्रतिनिधि): तलाठी तथा मंडल अधिकारी के रूप में मैंने किसानों की सेवा की है। नायब तहसीलदार पद से सेवानिवृत्त होने के बाद अब मैं बीड नगर परिषद चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नगराध्यक्ष पद की अधिकृत उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही हूँ। किंतु पिछले कुछ दिनों से कुछ समुदाय के लोग और राजनीतिक विरोधी अत्यंत निम्न स्तर पर उतरकर मेरे विरुद्ध अपमानजनक बातें फैला रहे हैं। मैं डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधारा से प्रेरित होकर लोकतंत्र के इस पर्व में सहभागी हूँ, परंतु कुछ विरोधी लोग पारिवारिक स्तर के झूठे आरोप लगाकर समाज में भ्रम फैलाने का दयनीय प्रयास कर रहे हैं, ऐसा प्रेमलता पारवे ने कहा।

राष्ट्रवादी कांग्रेस, शिवसेना और शिवसंग्राम मित्रपक्ष की अधिकृत नगराध्यक्ष उम्मीदवार प्रेमलता पारवे ने प्रेस सम्मेलन में अपने ऊपर लगाए आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा–

कल मेरे पुत्र को गंभीर बीमारी में छोड़कर जाने वाली उसकी पत्नी ने जो आरोप लगाए, वे पूरी तरह राजनीतिक हेतु से लगाए गए हैं। मेरे पुत्र की दोनों किडनियाँ फेल होने के बाद पत्नी का कर्तव्य निभाने के बजाय वह सोशल मीडिया पर वीडियो बनाती रही। एक माँ के रूप में मैंने अपनी किडनी उसे दी, लेकिन इसका दिखावा या राजनीति करना मुझे उचित नहीं लगता।

उन्होंने कहा कि चुनाव मुद्दों और विकास पर होना चाहिए। यदि चुनाव जाति, धर्म और परिवार पर ले जाया जाएगा, तो यह विरोधियों की नैतिक हार है।

प्रेमलता पारवे ने आगे कहा–

मेरे भाई समान पप्पू कागदे ने शुरुआत में प्रेस सम्मेलन किया। मैं राजनीति से दूर रहने वाली महिला हूँ, लेकिन बचपन से मैंने अपने पिता का दलित समाज के लिए संघर्ष देखा है। मेरे पिता मनोहरराव वंजारे की पहचान जिले में किसी से छिपी नहीं है। उन्होंने डॉ. आंबेडकर के विचारों पर स्वाभिमानी राजनीति की। दलित आंदोलन में योगदान दिया। लेकिन इस चुनाव में जब मुझे अवसर मिला, तब पप्पू कागदे ने जाति से संबंधित झूठे-सच्चे विवाद खड़े किए।

उन्होंने पप्पू कागदे को संबोधित करते हुए कहा–

जब आप मेरे पिता के पास आते थे, तो स्वयं को पुत्र समान कहते थे। यदि आप पुत्र समान थे, तो मेरे भाई ही हैं। फिर आप एक दलित परिवार की बेटी पर इस प्रकार के आरोप कैसे लगा सकते हैं? यदि मेरे पिता आज जीवित होते, तो सच्चाई सामने लाने के लिए डीएनए की भी बात करते। मैं आंबेडकरी आंदोलन की अनुयायी हूँ, और इस आंदोलन की मालकी किसी एक व्यक्ति के पास नहीं है।

उन्होंने पुत्री विषयक आरोपों का उत्तर देते हुए कहा–

आपने मेरी पुत्री पर अपमानजनक टिप्पणियाँ कीं। मेरी पुत्री ने संविधान और कानून के अनुसार शेख मुजीब से विवाह किया है, जो हमें पूर्णत: स्वीकार है। डॉ. आंबेडकर ने जाति समाप्ति का संघर्ष किया था। मेरी पुत्री ने उन्हीं विचारों को मानते हुए जाति-धर्म की दीवारें पार कर विवाह किया। क्या यह आपको स्वीकार नहीं? आप स्वयं को आंबेडकरवादी कहते हैं, तो फिर ऐसे विवाह का विरोध क्यों?

उन्होंने आगे कहा–

हाँ, मुजीब शेख मेरे दामाद हैं और मैं उनकी सास हूँ। यह संबंध हमने कभी छिपाया नहीं है। मेरे दामाद के समाज के लोग आज एक 'भीम की बेटी' को विजयी बनाने के लिए मेहनत कर रहे हैं और मैं उनकी आभारी हूँ। यदि मैं विजयी होती हूँ तो मैं ही कुर्सी संभालूँगी और उसके पीछे मेरे पिता तथा डॉ. आंबेडकर का चित्र ही रहेगा। इसलिए आंबेडकरवाद का सहारा लेकर निजी राजनीति न करें। समाज अब सब समझ चुका है।

अंत में प्रेमलता पारवे ने कहा–

यह सीट महिला आरक्षण की है। आप किस आधार पर दावा कर रहे थे? आपका उम्मीदवार कौन था–यह समाज को बताइए। केवल 'अन्याय हुआ' कहने से सत्य सिद्ध नहीं होता। किसी महिला के चरित्र, उसके परिवार या वंश पर संदेह करना अत्यंत घिनौना, कष्टदायक और आंबेडकरी आंदोलन की परंपराओं के खिलाफ है।

प्रेमलता पारवे ने कहा कि उनके ऊपर लगाए गए सभी व्यक्तिगत और पारिवारिक आरोप राजनीतिक उद्देश्य से लगाए गए हैं। उन्होंने पुत्रवधू के आरोपों, पप्पू कागदे द्वारा उठाए जातीय सवालों और पुत्री के विवाह पर की गई टिप्पणियों का कड़ी शब्दांतरेत निषेध केला. त्यांच्या मते, विरोधक एक दलित महिलेला बदनाम करून निवडणूक चुकीच्या मार्गाने नेत आहेत. त्यांनी स्पष्ट सांगितले की चुनाव विकास और मुद्दों पर होना चाहिए, व्यक्तिगत आरोपों पर नहीं.

एआई और तंत्र विज्ञान में क्रांतिकारी सेवाओं हेतु प्रा. डॉ. सादिक शेख 'पद्मश्री गौरव' से सम्मानित

जलगांव (अकील खान ब्यावली) शैक्षणिक नवाचार, तंत्र विज्ञान और आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्राध्यापक डॉ. सादिक शेख भुसावल को २१ नवंबर २०२५ को वर्धी वेलनेस फाउंडेशन, नोएडा द्वारा प्रतिष्ठित पद्मश्री गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान द्वारा प्रदान किया जाता है, जो देशभर में ज्ञान-अनुसंधान और मानव कल्याण के लिए कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित करता है।

डॉ. सादिक शेख पिछले दो दशकों से तंत्र विज्ञान, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, और आधुनिक शैक्षिक तकनीकी शोध के क्षेत्र में निरंतर सेवाएं दे रहे हैं। उनके शोधपत्र, नवाचारपूर्ण प्रयोग, तथा प्रकाशन न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय पटल पर भी उच्च प्रतिष्ठा रखते हैं.मानवता के समग्र कल्याण, शिक्षण-अध्यापन की उन्नत तकनीकों के विकास और एआई को समाजोपयोगी दिशा देने में उनके सतत प्रयासों को ध्यान में रखते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया है।डॉ. शेख को मिले इस प्रतिष्ठित सम्मान से शैक्षणिक जगत, तंत्र विज्ञान के शोधार्थियों और तकनीकी विशेषज्ञों में हर्ष का वातावरण है। ज़िले तथा राज्य के शिक्षण-शोध समुदाय ने इसे एक गर्व का क्षण बताते हुए प्रा. शेख की सेवाओं को प्रेरणास्रोत करार दिया है.

पान १ वरून

गेवराई की जनता ही यहाँ की असली...

किया।

गेवराई नगरपरिषद चुनाव में भाजपा की नगराध्यक्षा पद की उम्मीदवार सौ. गीताभाभी बाळराजे पवार तथा प्रभाग क्रमांक १, २, ३ के उम्मीदवारों के प्रचार के लिए आयोजित कॉर्नर मीटिंग में वे बोल रहे थे। इस अवसर पर सौ. गीताभाभी पवार, भाजपा के पी.टी. चव्हाण, विधानसभा समन्वयक श्रीकांत सानप, तालुका अध्यक्ष उद्धव रासकर, सचिन दाभाडे, रत्नमाला मोटे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। मतदाताओं का उत्स्फूर्त प्रतिसाद देखते हुए यह कॉर्नर मीटिंग एक विशाल जनसभा का रूप ले चुकी थी।

आगे बोलते हुए उन्होंने कहा, दुनिया को पता है कि मैं जेल में था। लेकिन गेवराई के हित के लिए जो कुछ करना पड़ा, वो किया। छह महीने तक महाराष्ट्र की विभिन्न नगरपरिषदों को देखते-घूमता रहा। निर्दलीय होने पर पैसे नहीं थे, फिर भी घंटा गाड़ी शुरू करके शहर को कचरा-मुक्त करने का काम किया। दिन भर सफाई के लिए जुटा रहा। मेरा पूरा जीवन मैंने गेवराई शहर को समर्पित कर दिया है।

नगरपरिषद की आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए पवार ने कहा, हर महीने दस लाख रुपये बिजली का बिल और सालाना नौ करोड़ रुपये की जिम्मेदारी वाली गेवराई नगरपरिषद हमने चलाई, लेकिन एक रुपए का भी गबन नहीं किया। अगर ये सारे पैसे हम खा जाते तो शहर की हालत कुछ और ही होती।

पैठण जलप्रकल्प के बारे में बोलते हुए उन्होंने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा, पैठण से पानी लाएँगे ये कहा था तो विरोधी हँसते थे। लेकिन वो काम हमने करके दिखाया। आज रोज पानी दे सकते हैं, कोई दिक्कत नहीं। लेकिन कुछ लोगों को पानी का अपव्यय भी समझ नहीं आता।

अमरसिंह पंडित पर कड़ी आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, एक भी गाँव दिखाओ जहाँ इस आदमी ने भला किया हो। गेवराई को तो कुछ किया नहीं, उल्टा गाँव की हागणदारी की। जाति-धर्म के नाम पर राजनीति करने वाले गेवराई शहर का विकास क्या करेंगे? इस तरह कड़े शब्दों में उन्होंने अमरसिंह पंडित की खिंचाई की।

जनता के सामने अपनी ईमानदारी रेखांकित करते हुए पवार ने कहा, मैंने गेवराई शहर को जान से लगाया है। अगर हमने गलत काम किया, इंसानियत और ईमानदारी छोड़ी तो हमें भी गिरा देना। पिछले १५ साल में हमने कभी सत्ता का दुरुपयोग नहीं किया। इसलिए आगे भी गेवराई का सर्वांगीण विकास करना है तो भाजपा के सभी २२ नगरसेवक और नगराध्यक्षा पद पर गीताभाभी को भारी मतों से जिताएँ, ऐसा आवाहन उन्होंने किया।

इस सभा में संजय नगर सहित आसपास की महिलाएँ और भारी जनसमुदाय उपस्थित था। मतदाताओं के उत्साहपूर्ण प्रतिसाद के कारण यह कॉर्नर मीटिंग एक विराट जनसभा में बदल गई थी।

महाराष्ट्र में स्थानीय स्वराज संस्थाओं के आरक्षण...

निर्णय देंगे।

इस टिप्पणी से संकेत मिल रहा है कि अगली सुनवाई में महत्वपूर्ण अंतरिम निर्देश जारी हो सकते हैं।

महाराष्ट्र में वर्तमान स्थिति

राज्य में स्थानीय स्वराज संस्थाएँ पिछले दो से चार वर्षों से प्रशासकों के नियंत्रण में चल रही हैं। इनमें शामिल हैं–

२९ महानगरपालिकाएँ

२५७ नगरपालिकाएँ

२६ जिला परिषदें

२८९ पंचायत समितियाँ

इन सभी पर प्रशासनिक अधिकारी कार्यभार संभाल रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले निर्देश दिया था कि

३१ जनवरी २०२६ तक राज्य की सभी स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव पूर्ण कराए जाएँ।

अगली सुनवाई

सर्वोच्च न्यायालय ने अगली सुनवाई की तारीख शुक्रवार, २८ दिसंबर तय की है।

ऐसा अनुमान है कि इस सुनवाई में–

आरक्षण सीमा, चुनाव कार्यक्रम,

और प्रशासकीय व्यवस्था

से जुड़े महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी किए जा सकते हैं।

अब पूरे महाराष्ट्र की निगाहें शुक्रवार को होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं, क्योंकि इसी में स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनावों का भविष्य तय होने की संभावना है।

बीड नगरपरिषद चुनाव: भाजपाने ...

परिसर में आयोजित बैठक में डॉ. ज्योती घोमरे (घुंबरे), नगरसेवक पद के उम्मीदवार अमृत सारडा और अश्विनी गोरख मोमीन ने नागरिकों से सीधा संवाद किया। बैठक को उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला और सभी भाजपा उम्मीदवारों को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने का आह्वान किया गया।

डॉ. सारिका क्षीरसागर की डोर-टू-डोर रैली व कोर्नर मीटिंग्स

डॉ. सारिका क्षीरसागर ने प्रभाग क्र. १० के उम्मीदवार मंगेश अंबादास धोंगडे व भाग्यश्री अशोक तांबारे तथा प्रभाग क्र. १२ के साहस पंढरीनाथ आडोडे व पूजा राजाभाऊ गुजर के प्रचार हेतु कोर्नर मीटिंग्स कीं। इन बैठकों में जिला सरचिटणीस एड. सर्जेराव तांदळे, आबा गुजर, सुनील मिसाळ, संभाजी सुर्वे, डॉ. रमेश शिंदे, अमर सानप, विशाल खाडे, समर्थ तांदळे, दादा मस्के, संदेश खेडकर आदि उपस्थित रहे। प्रभाग क्र. १३ की समीक्षा शेटे गायकवाड व सय्यद मुस्तफा के प्रचार की बैठकें भी उत्साह से संपन्न हुईं। यहां डॉ. क्षीरसागर दंपति के साथ भाजपा शहराध्यक्ष अशोक लोढा ने मार्गदर्शन किया। पूरे शहर में उत्साहपूर्ण माहौल है और भाजपा ने जनसंपर्क की गति और तेज कर दी है।

चौकट

पंकजा ताई की मदद से बीड के विकास के लिए भारी भरकम निधि लाएंगे : एड. सर्जेराव तांदळे

नगरपरिषद भाजपा के हाथ में आई तो मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पी.टी.आर. नोटिंग, बिल्डिंग परमिशन, नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट जैसी जरूरी सेवाओं को पूरी तरह ऑनलाइन करके सरल बनाया जाएगा, ताकि नागरिक घर बैठे सभी दस्तावेज प्राप्त कर सकें। मंत्री पंकजा ताई मुंडे के माध्यम से भारी निधि उपलब्ध कराकर दिए गए सभी आश्वासनों को पूरा किया जाएगा, ऐसी गारंटी भाजपा जिला सरचिटणीस एड. सर्जेराव तांदळे ने दी है।

ना. पंकजाताई मुंडें की सभान...

रहा है। शहर में निर्मल प्रशासन के लिए भाजपा को साथ दें, ऐसा आव्हान ना. पंकजाताई मुंडे ने मतदाताओं से किया।

मतदाताओं से संवाद करते हुए ना. पंकजाताई मुंडे ने शहर के विकास का पूरा विज़न मतदाताओं के सामने रखा। धारूर नगर परिषद भाजपा के हाथ में दें। हर तीन महीने में मैं खुद यहाँ आकर काम का रिव्यू लूंगी, ऐसा वे बोलीं। मैं राज्य की मंत्री होते हुए भी नगरसेविका बनकर शहर के विकास में ध्यान दूंगी, यह कहकर उन्होंने धारूर वासियों का दिल जीत लिया।

शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए हम विभिन्न योजनाएँ चलाएंगे, शहर में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाएगा, पानी की सप्लाई का नियोजन करके शहर को सुचारु पानी मिले इसके लिए योजना लाएंगे, कचरे पर प्रोसेसिंग करने वाला प्रोजेक्ट शुरू करेंगे। महिला बचत गटों को सशक्त करने के उपक्रम चलाए जाएंगे। साथ ही नागरिकों की असुविधा दूर करने के लिए ग्रामीण अस्पताल, स्कूल और श्मशान की ओर जाने वाले रास्तों का काम, तथा नागरिकों की सुरक्षा के लिए शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, यह उन्होंने बताया।

इस अवसर पर सभा में उपस्थित मतदाताओं ने उनके द्वारा प्रस्तुत विकास विज़न को सुनकर संतोष व्यक्त किया। धारूर को विकास की नई दिशा देने वाली पंकजाताई की दूरदृष्टि मतदाताओं पर गहरा प्रभाव डाल रही थी, ऐसा चित्र इस मौके पर दिखाई दिया।

सभा समाप्त होने के बाद ना. पंकजाताई मुंडे ने धारूर शहर के मतदाताओं से घर-घर जाकर मुलाकात की और उनसे संवाद किया। शहर के उत्तमराव तोषणीवाल, सादेक इनामदार, डॉ. राम शिंगारे, दत्ता धोत्रे, मोहन भोसले, सुमंतराव डुबे आदि के घर जाकर उन्होंने भाजपा को समर्थन देने की अपील की।

कुंभमेले के लिए पैसे हैं,...

का कर्ज माफ करने के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन कुंभमेले के लिए हजारों करोड़ खर्च किए जा रहे हैं। तपोवन में पेड़ काटे जा रहे हैं, पर्यावरण का विनाश किया जा रहा है। कुंभमेला जरूरी है, लेकिन क्या महाराष्ट्र का किसान जरूरी नहीं है?

उन्होंने आरोप लगाया, सरकार में सब चोर भरे पड़े हैं। घोटाले करने वाले एक-दूसरे का बचाव करते हैं। जांच के नाम पर मामले लटकाते हैं। जब बात भुला दी जाती है, फिर से जमीन हड़पने का खेल शुरू हो जाता है। ये इनकी पुरानी आदत है।

मनसे के साथ गठबंधन पर फैसला स्थानीय नेता लेंगे

मुंबई में मनसे के साथ जाने के सवाल पर वडेट्टीवार ने कहा, कांग्रेस मुंबई में मनसे के साथ जाए या नहीं, यह फैसला स्थानीय नेता करेंगे। उन्हें सत्ता चाहिए या नहीं, किसके साथ जाना है – यह वे तय करेंगे। उनका जो भी फैसला होगा, हमें मान्य होगा। मनसे की कोई भी भूमिका हो, कांग्रेस की अपनी नीति सबसे ऊपर है। इस मामले में प्रदेश अध्यक्ष ने स्थानीय नेताओं को पूरा अधिकार दे दिया है।

मतदाता सूची को लेकर राज्य चुनाव आयोग के टालमटोल पर उन्होंने कहा, लाचार चुनाव आयोग से क्या उम्मीद की जाए? चुनाव आयोग की भूमिका सत्ताधारियों के पक्ष में है। इसी कारण आज देश की लोकतंत्र की हालत खस्ता है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com